सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम

12.1 भारत इम्युनोलॉजिकल्स एंड बायोलॉजिकल्स कार्पोरेशन लिमिटेड, बुलन्दशहर

भारत इम्युनोलॉजिकल्स एंड बायोलॉजिकल्स कार्पोरेशन लिमिटेड (बिबकॉल) की स्थापना मार्च, 1989 में एक सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनी के रूपमें गाँव चोला, जिला बुलन्दशहर, उत्तरप्रदेश मे विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा यथानिर्दिष्ट जी एम पी तथा संघीय मानकों के अनुसार ओरल पोलियो वेक्सीन (ओ पी वी) तथा अन्य प्रतिरक्षात्मक सामग्री का उत्पादन करने के लिए की गई थी।

यह कम्पनी जनवरी, 1996 से आयातित बल्क से ओ पी वी तैयार कर रही है और राष्ट्रीय प्रतिरक्षण कार्यक्रम को अब तक लगभग 1016 मिलियन खुराक की आपूर्ति की जा चुकी है। इसमें यूनिसेफ के जरिए आपूर्ति की गई ओ पी वी भी शामिल है। कम्पनी ने भारत सरकार की ऋण देयता को मिला कर वित्तीय संस्थानों और बैंकों के सभी ऋणों का निपटारा कर दिया है। अब कम्पनी ऋण मुक्त हो गई है।

वर्ष 200405 के दौरान, ओ पी वी की 120 मिलियन खुराक तैयार की गई और राष्ट्रीय प्रतिरक्षण कार्यक्रम (एन आई पी) को आपूर्ति कर दी गई। वर्ष 200506 के दौरान , कम्पनी को बल्क से 125 मिलियन खुराक तैयार करने और एन आई पी को उनकी आपूर्ति करने की आशा है।

12.2 इण्डियन वेक्सीन कार्पोरेशन लिमिटेड, गुड़गाँव

इण्डियन वेक्सीन कार्पोरेशन लिमिटेड (इवकॉल) की स्थापना मार्च, 1989 में एक संयुक्त उद्यमी कम्पनी के रूप में अनुसंधान एवं विकास कार्यों तथा वायरल टीकों के विनिर्माण हेतु की गई थी। उत्पाद मिश्रण में बदलाव तथा पाश्चर मेरियू सीरम एण्ड वेक्सीन्स (पी एम एस वी) से वीरो सेल प्रौद्योगिकी उपलब्ध न होने के कारण कम्पनी फरवरी, 1992 से बन्द है।

सितम्बर, 1998 में मंत्रिमंडल के निर्णय के अनुसार परियोजना के तहत बनाई गई सम्पत्ति का उपयोग करने के लिए कम्पनी के पुनर्गठन की प्रक्रिया प्रारम्भ की गई है। इसलिए इवकॉल के परिसर के भाग में राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केन्द्र स्थापित कर दिया गया है। डी बी टी के कुछ शेयर जो पाश्चर मेरियू सीरम एण्ड वेक्सीन्स से प्राप्त किए थे उन्हें कम्पनी की एक संस्थापक कम्पनी, इण्डियन पैट्रोकैमिकल्स कार्पोरेशन लिमिटेड को हस्तांतरित करने का प्रस्ताव पेश किया गया था। उक्त प्रस्ताव अंतिम निर्णय के लिए सक्षम प्राधिकारी को प्रस्तुत कर दिया गया है।